हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, मंगलवार 21 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

एलडीएम ने प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

मण्डला। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मंडला में लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर द्वारा प्रशिक्षण परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण कक्षों, उपलब्ध संसाधनों एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता का अवलोकन किया। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव, सुझाव एवं प्रशिक्षण से प्राप्त हो रहे लाभ की जानकारी ली। इस अवसर पर एलडीएम सुजय कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कौशल विकास और स्वरोजगार आत्मनिर्भर बनने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से प्रशिक्षण को गंभीरता, अनुशासन और पूर्ण समर्पण के साथ पूरा करने का आग्रह करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल का उपयोग कर वे सफल उद्यमी बन सकते हैं और अपने साथ-साथ अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, सकारात्मक सोच और निरंतर सीखने की भावना ही सफलता की कुंजी है। यदि युवा इन मूल्यों को अपनाकर आगे बढ़ेंगे तो वे अपने जीवन में आर्थिक रूप से सशक्त बनने के साथ समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे। प्रशिक्षणार्थियों ने भी एलडीएम के प्रेरणादायी मार्गदर्शन से उत्साहित होकर प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ लेने तथा भविष्य में स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक राजेश कुमार रॉय, कार्यक्रम समन्वयक राजीव शर्मा, वित्तीय साक्षरता एवं परामर्श केंद्र के अधिकारी के.के. अवस्थी, कार्यालय सहायक यश मोहन उसराठे तथा अमित यादव सहित संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

व्यक्तिगत नाम से निकाली गई लाखों की राशि आखिर गई कहां

लगभग 25 लाख का आहरण संदेह के घेरे में

*** कार्यालयीन व्यय एवं अन्य खर्च के नाम पर निकले लाखों रुपए।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में पंचायत स्तर से लेकर जिला पंचायत तक ऐसा प्रावधान है कि पूरी पारदर्शिता के साथ विकास के काम किये जा सके हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ प्रत्येक अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंच सके इसके लिए कहीं से भी फंड की कमी नहीं की जा रही है भुगतान प्रक्रिया को भी अत्यंत आसान बना दिया गया है कि सरपंच, सचिव के संयुक्त प्रयास से राशि भुगतान की जा सकती है लेकिन भुगतान नियम के साथ हो, जितना काम हुआ है उतने का ही हो, सामग्री जो क्रय की गई है वह गुणवत्ता पूर्ण हो और उसी का भुगतान बाजार मूल्य पर हो। विकास कार्य जो हुए हैं उन्हीं का भुगतान हो और इस तरह के सभी भुगतान पंचायत की बैठकर लेकर प्रस्ताव लेकर किए जाएं जिनको भुगतान किया गया है उसकी स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए लेकिन ना तो पंचायतें इसका पालन कर रही है और ना ही जनपद के अधिकारी इस और ध्यान दे रहे हैं और जिला पंचायत की अपनी अलग कहानी है यहां कुछ ऐसे लोगों की गैंग है जो पहले तो पंचायत की शिकायतें करवाते हैं और बाद में सरपंच, सचिव को बचाने के रास्ते बताते हैं उन्हें तकनीकी सलाह उपलब्ध कराते हैं इसके लिए बाकायदा उन्होंने वकील तक हायर कर रखे हैं और इसकी एवज में वे सरपंच सचिव से अच्छी खासी सुविधा शुल्क वसूलते हैं साल 2 साल में रिकार्ड दुरुस्त करने के लिए एक दो सरपंच, सचिवों पर वैधानिक कार्रवाई भी की जाती है लेकिन यह ऊंट के मुंह में जीरे की तरह है।

14 वर्षों से अंगद की तरह जमे सचिव महोदय

मंडल जनपद की ग्राम पंचायत पटपरा रैयत में लगभग 14 वर्षों से एक ही सचिव पदस्थ है जिनका निवास स्थान भी इसी पंचायत से लगी पंचायत में है इन 14 वर्षों में ग्राम पंचायत पटपरा रैयत में बड़ी मात्रा में भ्रष्टाचार किया गया एक ओर जहां गुणवत्ताहीन कार्य के एवज में लाखों रुपए कमाए गए बहुत से निर्माण कार्य केवल नाम मात्र के लिए किए गए और पूरी राशि हड़प कर ली गई निर्माण सामग्री क्रय में भी लाखों रुपए का कमीशन खाया गया हितग्राही मूलक कार्यों के क्रियान्वयन में भी हितग्राहियों से लाखों रुपए वसूले गए फिर चाहे वह प्रधानमंत्री आवास हो, शौचालय निर्माण हो, खेत तालाब निर्माण हो, संबल योजनाओं का लाभ दिलाना हो या फिर अंत्येष्टि सहायता देनी हो। बिना किसी कमेटी के सत्यापन के यह काम किए गए हैं संबल योजना में बीमा का लाभ दिलाने के नाम पर हितग्राहियों से बड़ी-बड़ी रकम ली गई, बिना पैसे लिए आवास योजना की राशि खाते में नहीं डाली जाती खेत तालाब एवं तालाब निर्माण में 25 फ़ीसदी राशि का ही उपयोग किया गया बाकी राशि अंदर कर ली गई वर्षों से इस तरह के लगते आरोपों पर जब कार्रवाई ही नहीं हुई तो पिछले कार्यकाल में ग्रामीणों ने सचिव की सामूहिक शिकायत की ग्रामीण एक साथ लामबंद होकर सचिव को हटाने की मांग कर रहे थे इस पर सचिव द्वारा अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर जनपद पंचायत मंडला में एक आवेदन दिया गया इस पर जनपद के अधिकारियों ने न्याय पूर्ण जांच करने की जगह पंचायत एवं ग्रामीण तथा सचिव के बीच समझौता कराया और शिकायतकर्ताओं से यह लिखवाया कि वे अब सचिव की शिकायत नहीं करेंगे और बस उसी के बाद सचिव खुले में खेलने लगे जब कभी भी किसी ग्रामीण ने शिकायत करने का मन बनाया तो उसे धमकाया गया कि यदि शिकायत की तो उल्टे उसके विरुद्ध ही कार्रवाई होगी क्योंकि सचिव पहुंच वाले हैं सचिव संघ के पदाधिकारी हैं और अधिकारियों से अच्छे संबंध है लिहाजा ग्रामीणों ने शांत रहना ही बेहतर समझा और बस इसी दौरान कार्यालय एवं अन्य खर्च के नाम पर लाखों रुपए निकाले जाते रहे।

पिछले कार्यकाल में ऐसे दर्जनों नाम है जिनके खाते में कार्यालय एवं अन्य खर्च के नाम पर लाखों रुपए का भुगतान किया गया इनमें तत्कालीन सरपंच, मेट, सचिव, भोपाल की निजी फर्म, गांव का टेलर, गांव का चाय वाला और यहां तक की जनपद के सीईओ के नाम से भी पैसे का भुगतान किया गया बैंक के नाम पर भी भुगतान दर्शाया गया और उसमें अंत्येष्टि सहायता का उल्लेख किया गया।

अब इस तरह के नाम पर जो भुगतान किए गए वे कितने सही हैं इसकी गंभीरता पूर्वक जांच होनी चाहिए जिन्हें पैसे दिए गए हैं वह कौन है उन्हें किस बात के पैसे दिए गए और क्या इन पैसों के भुगतान को लेकर पंचायत कमेटी को विश्वास में लिया गया क्या ग्राम सभा में इसकी जानकारी दी गई यदि ऐसा नहीं किया गया तो क्यों नहीं किया गया क्या जनपद के अधिकारी इस ग्राम पंचायत की पूरी जांच करने की हिम्मत जुटा सकेंगे क्या जिस तरह से जिला पंचायत ने ग्राम पंचायत बिनैका पर वसूली के आदेश जारी किए हैं क्या इस पंचायत पर भी ऐसी कोई कार्रवाई हो सकेगी ग्रामीणों को विश्वास है कि जनपद एवं जिला पंचायत के अधिकारी अब निश्चित रूप से गंभीरतापूर्वक जांच करेंगे और दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही करेंगे।

संदेह के दायरे में इस तरह के भुगतान

जनपद सीईओ	-	25000/-
मनीष यादव	-	9660/-
विजय कुमार	-	44200/-
राजेश यादव	-	191830/-
निकाफ इंडिया लि.भोपाल	-	90776/-
सुखचैन कुंजाम	-	20551/-
केयर कम्प्यूटर	-	14972/-
एमआईएस एक्सपर्ट सर्विस सेंटर	-	56000/-
राकेश यादव	-	18000/-
यूनियन बैंक	-	16000/-
भागचंद	-	137400/-
प्रकाश चंद्रौल	-	42000/-
रतनलाल मरावी	-	61920/-
कमलेश	-	130050/-
मनोज परते	-	16000/-
मनोज कुमार पटेल	-	37125/-
सुंदर सिंह मरकाम	-	152060/-
बालकृष्ण यादव (सचिव)	-	40000/-
जितेन्द्र यादव	-	27800/-
राजेश गुप्ता	-	44544/-
रत्तो परस्ते (तात्कालीन सरपंच)	-	213100/-
सम्पत सिंह तेकाम	-	18000/-
बीके इंटप्राइजेज	-	35475/-
अर्थव कंस्ट्रक्शन	-	35995/-

बरसात में सर्पदंश से रहें सतर्क, तत्काल अस्पताल पहुंचें - सीएमएचओ

मण्डला। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने बरसात के मौसम में सर्पदंश की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में सांप अधिक सक्रिय हो जाते हैं, जिससे सर्पदंश के मामलों में वृद्धि होती है। ऐसी स्थिति में घबराने या अंधविश्वास का सहारा लेने के बजाय पीड़ित को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाना ही जीवन बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है। सीएमएचओ ने बताया कि जहरीले सांप के काटने पर सामान्यतः दांतों के दो गहरे निशान दिखाई देते हैं, जबकि गैर विषैले सांप के काटने पर दो से अधिक निशान हो सकते हैं। हालांकि केवल दांतों के निशान देखकर यह तय नहीं किया जा सकता कि सांप विषैला था या नहीं, इसलिए हर सर्पदंश को गंभीरता से लेना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सर्पदंश के बाद नींद आना, निगलने में कठिनाई, सांस लेने में परेशानी तथा अन्य लक्षण लगभग आधे घंटे के भीतर दिखाई दे सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर बिना समय गंवाए अस्पताल पहुंचना चाहिए। डॉ. मोहन्ती ने स्पष्ट किया कि सर्पदंश की स्थिति में रस्सी या कपड़े से कसकर अंग नहीं बांधें, घाव पर ब्लेड से चीरा न लगाएं, मुंह से विष निकालने का प्रयास न करें तथा झाड़-फूंक, ओझा-गुनिया या अन्य पारंपरिक उपचारों पर भरोसा न करें। उन्होंने अंधविश्वास से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि इससे उपचार में देरी होती है और मरीज की जान को खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने सलाह दी कि पीड़ित को शांत रखें, काटे गए अंग को यथासंभव स्थिर रखें, घाव वाले स्थान को हल्के गीले कपड़े से साफ करें तथा उल्टी की आशंका होने पर मरीज को करवट लिटाएं। इसके बाद तत्काल निकटतम स्वास्थ्य संस्थान ले जाएं।

शासकीय हाई स्कूल मांझीपुर में साइकिल वितरण

भुआबिछिया। शासकीय हाईस्कूल मांझीपुर में आज दिनांक 20 जुलाई 2026 को ग्राम के सरपंच दीपचंद मरावी उप सरपंच नरेश सार्वे प्रभारी प्राचार्य अशोक बाजपेयी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। संस्था में 23 बालक ओर 08 बालिकाओं को साइकिल वितरण की गई। इस अवसर सरपंच दीप चंद मरावी ने बच्चों को साइकिल मिलने पर कहा कि मध्यप्रदेश सरकार बच्चों को दूर से आने जाने में कोई समस्या न हो इसलिए साइकिल प्रदान करती है। आशा है सभी विद्यार्थी इस सुविधा का लाभ लेकर नियमित रूप से समय पर विद्यालय पहुंचेंगे। उप सरपंच नरेश सार्वे ने कहा की साइकिल चलाने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है यह एक आवश्यक व्यायाम भी है सभी पात्र विद्यार्थियों को साइकिल मिलने के लिए शुभ कामनाएं। आप सभी मन लगाकर पढ़ाई करे। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शासकीय विद्यालय में आपको पढ़ने में कोई असुविधा न हो इसके लिए शासकीय योजनाओं के अंतर्गत छात्रों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक,विभिन्न छात्रवृत्ति व निःशुल्क साईकल के अलावा प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी प्रदान की जाती है। कार्यक्रम में विद्यालय की विज्ञान शिक्षिका कविता विश्वकर्मा,गणित शिक्षक राकेश नामदेव, भुवन श्रीवास, अंजुला पटेल, कृष्णा धुर्वे, प्रखर पटैल आदि उपस्थित रहे।

31 जुलाई तक शिक्षकों की पदस्थापना पूर्ण करने के निर्देश

*** कलेक्टर ने किया सहायक आयुक्त कार्यालय का निरीक्षण।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने सोमवार को सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, स्थापना शाखा, निर्माण शाखा सहित विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यालय की सभी फाइलें सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखी जाएं। उन्होंने कहा कि कार्यालय परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा रेस्ट रूम की आवश्यक मरम्मत कराकर उन्हें व्यवस्थित रखा जाए।

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने स्थापना शाखा की समीक्षा करते हुए कहा कि जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत ऐसा कोई भी विद्यालय न रहे जहाँ शिक्षक की पदस्थापना न हुई हो। ऐसे शिक्षकविहीन विद्यालयों की समस्या का समाधान 31 जुलाई तक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहायक आयुक्त स्वयं फील्ड में जाकर विभिन्न छात्रावासों का निरीक्षण करें तथा बच्चों से फीडबैक लेकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान लंबित न्यायालयीन प्रकरणों का समय पर जवाब प्रस्तुत करने तथा टीएल एवं जनसुनवाई के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान सहायक आयुक्त अरूण शुक्ला द्वारा जानकारी दी गई कि 111 छात्रावासों में 24 करोड़ की लागत से मरम्मत कार्य जारी है, जिस पर कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने इसे शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति पर हुआ मंथन, रोपे गए सागौन के पौधे

*** नारायणगंज के ग्राम चिरी में प्रगति जनकल्याण समिति की पहल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

मंडला जिले के विकासखंड नारायणगंज स्थित ग्राम चिरी में सोमवार को नवांकुर संस्था प्रगति जनकल्याण समिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं नशा मुक्ति अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुशील बर्मन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति और ग्रामीणों को पौधारोपण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। ग्रामीणों के साथ चर्चा की गई कि पेड़ लगाना क्यों जरूरी है और इससे न केवल पर्यावरण को फायदा होता है, बल्कि व्यक्तिगत आय भी बढ़ाई जा सकती है।

इसके साथ ही नशा मुक्ति पर गंभीर चर्चा हुई, जिसमें महिलाओं को नशे के कारण होने वाली परेशानियों और ग्राम में फैले नशे के दुष्प्रभावों को दूर करने के समाधान खोजे गए। बैठक के समापन के बाद उपस्थित लोगों द्वारा सामूहिक रूप से सागौन के पौधे रोपे गए।

इस अवसर पर मप्र जन अभियान परिषद के मेंटर्स, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चिरी की सचिव सुषमा कुलस्ते, अध्यक्ष सुकराती बैरागी सहित समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

लापरवाही | **बीते दस वर्षों से घरों व गलियारे में चल रहीं आंगनवाड़ियाँ।**

सीलनयुक्त भूमि पर बैठकर बच्चे सीख रहे ककहरा

*** पंचायत के जिम्मेदारों की लापरवाही।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/निवास

निवास विकासखंड की अनेकों आंगनवाड़ियाँ किसी घर की परछी या रंगमंच में संचालित हो रही हैं। विभाग से मिली राशि से निर्माण एजेंसी पंचायतों के जिम्मेदारों ने आंगनवाड़ी भवन निर्माण में इस कदर लापरवाही की- कि ग्राम बिसौरा के कुम्हार टोला में दस लाख की लागत में वर्ष 2013-14 में आंगनवाड़ी भवन बनाया गया था, लेकिन पंचायत ने विभाग को आज दिनांक तक अज्ञात कारणों से हेंड ओवर नहीं किया, जिसके चलते मासूम बच्चे बरसात के समय में शीलन युक्त जमीन में बैठकर ककहरा सीख रहे हैं।

दस वर्षों पूर्व बना आंगनवाड़ी भवन हो गया जर्जर

भानपुर बिसौरा ग्राम पंचायत अंतर्गत पोषक ग्राम पांकर टोला में भी दस वर्ष पूर्व भवन बनाया गया था, इसमें भी कुछ महीने आंगनवाड़ी संचालित होती रही, वहीं अब यह अव्यवस्थाओं के बीच निजी मकान में संचालित हो रही है। इसके बावजूद आज दिनांक तक न तो पंचायत और न ही विभाग ने इन छोटे मासूमों के लिए बने भवन की कोई खबर ली।

कार्यशैली संदेह के दायरे में

बिसौरा के कुम्हार टोला व पांकर टोला में दस से ज्यादा वर्ष पूर्व नवनिर्मित आंगनवाड़ी भवन एक दशक तक लावारिस हालत में क्यों छोड़ गया? अब इस नये भवन के मरम्मत के लिए अलग से राशि लेनी पड़ रही है, वहीं अगर इसके निर्माण में राशी कम पड़ रही थी तो उसी समय विभाग से पत्राचार कर सम्पूर्ण कार्य किया जा सकता था। आखिर इतनी बड़ी लापरवाही का जिम्मेदार कौन? पंचायत या महिला बाल विकास विभाग?

इनका कहना है-

उक्त आंगनवाड़ी भवनों को अगर पंचायत हमे लिखित रूप से हेंड ओवर करता तो यह स्थिति निर्मित नहीं होती, और बच्चे असुविधा से बच जाते।

-प्रभारी अधिकारी,
महिला बाल विकास निवास

'परख मोबाइल ऐप' से होगी जनजातीय छात्रावासों और स्कूलों की निगरानी

*** सहायक आयुक्त ने जारी किए निर्देश, अधिकारियों के लिए मासिक निरीक्षण लक्ष्य तय।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जनजातीय कार्य विभाग, जिला मंडला ने विभागीय छात्रावासों, आश्रमों एवं शिक्षण संस्थाओं के निरीक्षण को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 'परख मोबाइल ऐप' के माध्यम से निरीक्षण व्यवस्था लागू कर दी है। इस संबंध में सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग ने जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार अब विभागीय छात्रावासों, आश्रमों एवं विद्यालयों का नियमित निरीक्षण केवल परख मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए निरीक्षण अधिकारियों का ऐप पर पंजीयन कर उन्हें लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड उपलब्ध कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान चिन्हित कमियों के निराकरण की जिम्मेदारी संबंधित निरीक्षण अधिकारी की होगी।

आदेश में अधिकारियों के लिए प्रति माह न्यूनतम निरीक्षण लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। इसके तहत सहायक आयुक्त एवं जिला संयोजक को 15, सहायक संचालक को 10, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं मंडल संयोजक को 20-20, क्षेत्र संयोजक को 15 तथा विभागीय प्राचार्यों को 5 निरीक्षण अनिवार्य रूप से करने होंगे।

विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि अन्य विभागों के अधिकारियों को निरीक्षण का दायित्व सौंपा जाता है तो उनका पंजीयन भी परख मोबाइल ऐप पर कराया जाएगा। निरीक्षण प्रक्रिया के सुचारु संचालन के लिए उपयोगकर्ता मार्गदर्शिका (यूजर मैनुअल) भी जारी की गई है।

इस नई व्यवस्था से छात्रावासों एवं शिक्षण संस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

हालांकि, शिक्षा क्षेत्र से जुड़े जानकारों का कहना है कि निरीक्षण व्यवस्था पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए तथा इसे किसी प्रकार की अवैध वसूली का माध्यम नहीं बनने दिया जाए। उनका मानना है कि यदि व्यवस्था ईमानदारी से लागू हुई तो छात्रावासों में व्याप्त लापरवाहियों पर अंकुश लगेगा और शासन की मंशा के अनुरूप विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

खबर संक्षेप

सड़क किनारे पटरी नही होने से आये दिन दुर्घटना ग्रस्त हो रहे वाहन

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जहां एक ओर सरकार द्वारा करोड़ो रूपया खर्च करते हुए सड़को का निर्माण आमजन के लिए सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से किया जाता है, मगर वही सड़क यदि आमजन के लिए परेशानी के साथ साथ जान का खतरा साबित होने लगे तो उस सड़क के निर्माण पर अपने आप ही सबाल खड़े होने से नही चूकते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय पौड़ार से गाडरवारा के बीच हाईवे स्तर के सड़क में देखने मिल रहा है, जहां पर पूर्व सड़क निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा सड़क में निकले हुये गड्ढो को भरने के लिये किये गये सुधार कार्य के चलते इस सड़क की ऊंचाई अधिक हो चुकी है। मगर इसके बाद सड़क के दोनों ओर किसी भी प्रकार से ऊंचाई कम करने के लिए पटरी नही भरे जाने के कारण आये दिन वाहनों को दुर्घटना ग्रस्त होते हुए देखा जा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो बीते हुए एक सप्ताह के अंदर इस प्रकार से एक दर्जन से अधिक घटनाएं घटित हो चुकी है, वही बड़े वाहनों की स्थिति तो इस प्रकार से देखने मिल रही है कि वह अचानक एक दूसरे वाहन को साईड देने के चक्कर में पलटने से भी नही बच पाते है, इस स्थिति में चलते जहां वाहन मालिकों को आर्थिक क्षति का समाना करने के लिए मजबूर होते हुये देखा जा रहा है, वही दूसरी ओर छोटे वाहन चालकों की जान खतरे में दिखाई देने लगी है? इस प्रकार से इस सड़क की सच्चाई को लेकर स्थानीय मीडिया द्वारा आये दिन प्रमुखता के साथ उजागर किये जाने के बाद भी आज तक न तो निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही प्रशासन द्वारा जिससे यह जान पड़ने लगता है कि शायद किसी दिन कोई बड़ी घटना के इंतजार किया जा रहा हो?

क्षेत्र में लगातार हो रही अवैध रूप से पशुओं की तस्करी, प्रशासन मौन

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि आस पास के कस्वा क्षेत्रों में लगने वाले साप्ताहिक मवेशी बाजारों के माध्यम से खुलेआम पशुओं की तस्करी होने की चर्चा आम होती जा रही है। जिसमें बताया जा रहा है कि क्षेत्र में लगने वाले इस मवेशी बाजार में सैकड़ो की संख्या में पशु बिक्री के लिये आते है। जो कुछ ऐंसे भी पशु होते हैं जिसमें प्रमुख रूप से बैल जो कृषि योग्य नहीं होते व गायें जो दूध देना बंद कर देती हैं। उन्हें कुछ दलालनुमा व्यक्ति ऐंसे पशुओं को दलाल कसाईयों को दोगुनी कीमत के माध्यम से पशु मालिकों से खरीदवा देते हैं और पशु मालिक भी थोड़े से पैसों के लालच में जिन्दगी भर घी दूध देने वाली गायों व गर्मी धूप व बरसात के मौसम में मेहनत कर कमाई खिलाने वाले बैलों को इन कसाईयों के हवाले कर देते हैं। जनचर्चाओं में तो यह तक बताया जाता है कि बाजार के दिन बाहर से आने वाले इन कसाईयों के कुछ दलाल गाँव गाँव घूमकर इस प्रकार के बूढ़े पशुओं की खोज करते हुये पशु मालिकों को उन्हें बेचने के लिये उकसाते हुये देखा जा सकता हैं और इन दलालों की बातों में आकर पशु मालिकों का भी लोभ लग जाता है और यह बाजारों में उन पशुओं को लाते हैं और दलालों के माध्यम से बाजार के बाहर ही पशुओं को बेच कर चले जाते हैं। इस बात की सच्चाई का उदाहरण विगत वर्षो में सांईखेड़ा, चीचली व गाडरवारा थाने के अंतर्गत अवैद्य रूप से पशु ले जाने वालों को पकड़कर पुलिस ने सिद्ध कर दिया था। मगर वर्तमान समय में पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते इस प्रकार के पशु तस्कारों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है? इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र में लगने वाले साप्ताहिक पशु बाजारों के दिन सड़कों व कूररूता पूर्वक पशुओं को भरकर ले जाने वाले गाड़ियों की लम्बी लाईने देखने मिल रही है, इसके बाद भी किसी भी प्रकार की कार्यवाही न होना जहां चिंता का विषय बना हुआ है, वही दूसरी ओर शासन प्रशासन को इस प्रकार के दलालों के माध्यम से हो रही तस्करी पर रोक लगाई जानी चाहिये, आमजन द्वारा तो यह तक आरोप लगाया जाता है कि इस प्रकार के पशुओं की खरीदी कर ट्रकों के माध्यम से पुलिस की ही मिली भगत से बाहर ले जाया जाता है?

एनटीपीसी क्षेत्र के डंगहा गांव में घर के अंदर सो रहे पति पत्नी पर आधी रात को अज्ञात लोगों ने बोला जानलेवा हमला: पति की मौके पर मौत तो घायल पत्नि की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र की लोगों ने एनटीपीसी की स्थापना को लेकर लोगों ने क्षेत्र के विकास को लेकर जो सपने संजोये गये थें वह अब विनास के रूप में दिखाई देने से नही चूक पा रहे है.. ? क्योंकि इस क्षेत्र में जिस तरह अपराधिक घटनाये घटित होते हुये देखने मिल रही है शायद ही इस तरह की घटनाओं की क्षेत्र के लोगों ने कभी कल्पना नही की गई होगी.. ? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये रविवार सोमवार की दरम्यानी रात उस समय देखने मिली जब क्षेत्र के डंगहा गांव के पास खेत में बने हुये मकान में सो रहे पति पत्नी पर अज्ञात लोगों द्वारा हमला करते हुये जहां पति की हत्या कर दी गई वही पत्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि मूल रूप से ग्राम खैरी सुदरास निवासी भाईजी पिता प्रताप सिंह कौरव उम्र लगभग 45 वर्ष द्वारा ग्राम डंगहा में जमीन लेकर खेती करता था और खेत पर ही मकान बनाते हुये अपनी पत्नी व बच्चों के साथ निवास कर रहा था। इस तरह बीते हुये रविवार की रात उनका बेटा अपने गांव गया हुआ था इस दौरान दोनों पति पत्नी रात के समय मकान के अंदर सो रहे थें। आधी रात को किसी अज्ञात लोगों द्वारा घर के अंदर प्रवेश करते हुये दोनों पर जान लेवा हमला बोलते हुये फावडा व डंडो से बार किये जाने के कारण जहां भाईजी कौरव की मौके पर मौत हो गई वही उसकी पत्नी यानि की सबिता कौरव उम्र लगभग 42 साल गंभीर रूप से घायल होने के चलते जबलपुर में उपचार चल रहा है।

खून से लथपथ लाश पड़ी हुई थी

घटना के संबंध में मृतक के परिजनों द्वारा अपनी जानकारी में बताया है कि रात में लगभग 12 से 1 बजे के बीच मृतक की पत्नी यानि की सबिता कौरव द्वारा अपने बेटे को फोन करते हुये बताया कि किसी तीन चार लोगों द्वारा घर के अंदर घुसकर उसके तथा भाईजी के साथ मारपीट की गई है। इसके बाद परिवार के लोग सबिता को वापिस फोन लगाते रहे और उसका फोन नही उठाने पर जब परिवार के लोगों ने मौके पर पहुंचकर देखा तो भाईजी कौरव की खून से लथपथ स्थिति में लाश पड़ी हुई थी वही सबिता कौरव घायल व बेहोशी की हालत में पड़ी हुई थी। इस तरह परिवार के लोग तुरंत सबिता को इलाज हेतु शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा लेकर आये जहां पर उसकी स्थिति गंभीर होने के कारण डाक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर के लिये रेफर किया गया जहां पर उसकी स्थिति अभी भी गंभीर बताई जा रही है। वही दूसरी ओर घटना की सूचना मिलते ही मौके पर डोगरगांव पुलिस ने पहुंचकर मृतक के शव को पोस्ट मार्टम के लिये एक आरक्षक के भरोसे गाडरवारा भेजा गया था। इस तरह क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटित हुई घटना की सुबह होते ही खबर जब क्षेत्र में फैली तो सनसनी का महौल निर्मित होने से नही चूक पाया था। वही दूसरी ओर सुबह दस बजे तक मृतक के परिवारजन रोते बिलखते हुये अपने जबाव बेटे का शव पोस्ट मार्टम कार्यालय के सामने रखे हुये थाना प्रभारी का इंतजार करते हुये देखे गये। मगर जब थाना प्रभारी पंचनामा की कार्यवाही करने के लिये शासकीय चिकित्सालय पहुंची तो उनकी कार्यशैली देखते हुये लोग हैरत में पड़ने से नही चूक पा रहे थें। क्योंकि उनकी अनुभव हिनता कही जावे या फिर अपनी दंबगता के चलते शव के पास डोगरगांव थाना प्रभारी से अपनी कार्यवाही के लिये अपने चार पहिया वाहन से उतारना तक उचित नही समझा और वाहन के अंदर बैठे बैठे ही मृतक के परिजनों को आरोपियों की भांति लाईन में खड़े करते हुये एक एक करके बुलाकर कथन लेते हुये पंचनामा की कार्यवाही को पूर्ण किया गया..। पुलिस की यह कार्य प्रणाली जहां मानवता को शर्मशार करने से नही चूक रही थी।

डॉग स्क्वॉड टीम भेजते हुये खोजबीन कराई

जिला पुलिस अधीक्षक डा. ऋषिकेष मीना तथा उप पुलिस अधीक्षक ललित सिंह डागूर द्वारा अपनी गंभीरता का परिचय और मौके पर पहुंचकर घटना स्थल की बारीकी से जांच की गई। वही दूसरी ओर जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा भी आरोपियों की खोज करने के लिये मौके पर डॉग स्क्वॉड टीम को भेजते हुये आरोपी की खोजबीन कराई जा रही है। ज्ञात हो कि एनटीपीसी क्षेत्र में इस तरह से लगभग तीन चार साल पहले भी इसी प्रकार की घटना सामने आई हुई थी जिसके चलते लोगो का पुलिस के प्रति विश्वास समाप्त हो चुका था। मगर जब यहां की बागडोर जिले के अधिकारियों द्वारा युवा एस आई प्रकाश पाठक के हाथों में सौपी गई थी तो उनके द्वारा अपराधों पर अंकुश लगाते हुये लोगों के बीच पुलिस के प्रति विश्वास स्थापित करने में काफी हद तक सफल हो गये थें। मगर इनके जाने के बाद यहां की सुरक्षा की जिम्मेदार जिस तरह अनुभव हीन व नौसिखिया अधिकारियों के हाथों में आते इस तरह की घटनाओं की शुरूआत होना तथा जिम्मेदार अधिकारी की मानवता को शर्मसार करने वाली कार्य प्रणाली ने फिर एक बार पुलिस की कार्य प्रणाली को सबालों के घेरे में खड़ा करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है..? वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो मृतक के परिजनों के अनुसार उसकी न तो किसी से कोई बुराई चल रही थी और न ही उसके अंदर कोई बुरी आदत थी। मगर इसके बाद भी इस तरह से आधी रात को घर के अंदर घुसकर हत्या की घटना को अंजाम देने निश्चित तौर से लूट के इरादे जैसी घटना की ओर संकेत देते हुये प्रतीत होने से नही चूक रहा है..?

मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे खड़े रहने वाले बड़े वाहन बन रहे परेशानी का कारण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जिस ताह से सड़कों पर यातायात बढ़ रहा है उसके चलते आये दिन घटनाएं घटित होना आम बात होती चली जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो गाडरवारा पिपरिया मार्ग पर जिस प्रकार से बड़े वाहनों की धमाचौकड़ी मची हुई उसके चलते आये दिन घटित होने वाली घटनाओं के चलते आम लोगों की जान खतरे में पड़ रही है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस मार्ग पर सड़क किनारे बने हुए ढ़ाबो पर जिस प्रकार से सड़क किनारे बड़े वाहन खड़े रहते है उसके चलते यातायात प्रभावित तो हो ही रहा है साथ ही साथ आम लोगों की जिन्दगी भी खतरे से खाली नही है..? बताया जाता है कि नगर के समीप शांति दूत तिरहा के पास से लेकर कामती की ओर जाने वाले मार्ग पर बडे वाहनों में ट्रक व डम्फर इस प्रकार से खड़े कर दिये जाते है जिसके चलते जब यहां से छोटे वाहनों व स्कूली बच्चों का निकलना होता है तो उन्हें आगे का मार्ग दिखाई ही नही पड़ता है। कुछ इसी प्रकार का हाल इस मार्ग पर कामती व सांईखेड़ा की ओर जाते वक्त रास्ते में पड़ने वाले ढ़ाबों के पास देखा जाता है जहां पर दिन दिन भर इन बड़े वाहन चालको द्वारा अपने वाहनों को सड़क के किनारे खड़ा करते हुए भोजन करने में लग जाते है और आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए छोड़ दिया जाता है। इस प्रकार से सड़क किनारे खडे होने वाले वाहनों की ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने से लग रहा है कि शायद प्रशासन द्वारा किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने का इंतजार किया जा रहा हो..? क्योंकि सड़को के किनारे ढ़ाबाओं का संचालन करने वालो द्वारा अपने स्वार्थ के चलते कारोबार तो किया जा रहा है मगर उनके द्वारा इन वाहनों के पार्किंग हेतु कोई उचित व्यवस्था नही बनाई गई है जिसके चलते वाहन चालक सड़क किनारे ही अपने वाहनों को खड़ा करने से नही चूकते है? इस सच्चाई को लेकर प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की जा रही है कि नगर के आमगांव नाका शांतिदूत तिरहा सहित इस मार्ग के ढ़ाबो के सामने सड़क किनारे खड़े होने वाले वाहनों पर अंकुश लगाया जावे जिससे किसी बड़ी घटना को घटित होने के पहले रोक लग सके, यदि समय रहते हुए प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है?

अतिक्रमण के जाल में उलझी शहर की यातायात व्यवस्था बदहाल निजी स्वार्थ के चलते मुख्य सड़कों जमा लिया जाता है कब्जा

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि नगर का यातायात जहां पूर्णरूप से भगवान भरोसे हो गई है, क्योंकि नगर सड़कों पर जहां आवारा जानवरो का जमावड़ा बना रहता है वही दूसरी ओर देखा जात रहा है कि लोगों द्वारा मुख्य सड़को के आस पास अतिक्रमण का जाल बिछाने के कारण सड़के व चौराहे संक्रीण होते चले जा रहे वही दूसरी ओर अनियंत्रित गति से वाहन चलाने के फैशन के चलते वर्तमान में शहर की यातायात व्यवस्था बदहाल होती जा रही है और पुलिस ने पूर्व में नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार की जो कवायद करने की बात कही गई थी वह सिर्फ बैठकों तक ही सीमति होते हुये जान पड़ी..? क्योंकि इन दिनों यातायात व्यवस्था बिगड़नें का परिणाम है कि बड़े वाहनों से लेकर छोटे वाहन तक फर्राटे से शहर की सड़कों पर दौड रहे है, जिनमें क्षमता से अधिक सवारी भर वाहन चालक अपने वाहन बेखौफ चला रहे है और दो पाहिया वाहनों में शान से तीन सवारी बैठी नजर आ रही है? जिसका आलम यह है कि शहर के मुख्य स्थानों पर शाम के बाद रोज जाम लगने की स्थिति दिखायी पड़ रही है और सड़कों पर वाहनों की बेरोक टोक आवाजाही से शहरवासियों, राहगीरो का सड़कों को पार करना मुश्किल हो रहा है और वाहनों का घमाशान जारी रहने से आमजन तो परेशान हो ही रहे है साथ ही दुर्घटनाओं का अंदेशा भी सदा बना रहता है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर के मुख्य बाजार में लोगों द्वारा अपने निजी स्वार्थ के चलते अपने घरों व दुकानों के सामन मुख्य मार्ग पर निजी बैरीकेट लगाते हुए इस प्रकार से अतिक्रमण किया जाता है जिसके चलते प्रतिदिन मुख्य मार्गो पर जाम की स्थिति निर्मित होते हुए देखी जा रही है। यदि इन प्रभावशालियों के खिलाफ पुलिस कार्यवाही का डंडा घुमाती है तो यह लोग अपना रौब जमाते हुए पुलिस को चुप कराने के लिए झूठी शिकायते करने से भी नही चूकते है...? इस स्थिति में नगर की यातायात व्यवस्था लगातार विगड़ते हुए देखी जा रही है? गौरतलब है कि नगर के मुख्य बाजार, झंडा चौक के आलवा बैंकों की शाखाओं और अन्य सार्वजानिक स्थानो पर पार्किंग व्यवस्था न होने से आमतौर पर वाहन बेतरतीब ढंग से सड़कों के किनारे खड़े करने के साथ साथ अनेक लोग अपने वाहनों को मुख्य सड़को पर ही खडे रहते है, जिनके कारण यातायात अराजक हो उठता है। ज्ञातव्य है कि शहर में एक भी एकांगी मार्ग न होने का नतीजा है कि लगातार नगर की यातायात व्यवस्था बाधित हो रही है और उसके सुधरने के लक्षण फिलहाल नजर नहीं आ रहे है। उल्लेखनीय है कि तहसील मुख्यालय होने के नाते गाडरवारा शहर की अहमियत बढ़ती चली जा रही है। नगर में पहले की तुलना में वाहनों की संख्या में बढ़ोत्तरी होने के साथ साथ आबादी में भी वृद्धि हो रही है। वही ग्रामवासियो के जरूरी कामों से निरंतर आने के आलवा एन टी पी सी पावर प्लांट की स्थापना और औद्योगीकरण की रप्तार बढ़नें से यातायात का दबाव बढ़ता जा रहा है, इस सच्चाई के चलते क्षेत्रवासियो की दरकार है कि अब शहर की यातायात व्यवस्थ को सुवि धाजनक बनाने की प्रशासनिक पहल की जाए, इसके अलावा पानी की टंकी, झंडाचौक, पलोटन गंज आदि महत्वपूर्ण स्थानो पर ट्रेफिक कंट्रोल के पुख्ता इंतजाम व्यापक जनहित में किए जाएँ। विदित हो कि शहर के थाने में जनसुरक्षा के लिए पुलिस बल तो कम है ही साथ ही यातायात पुलिस कर्मियो का भी अभाव है, जिसकी वजह से शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार की सम्भवना सीमट कर रही गयी है। इसे विडम्बना ही कहा जाए कि सामाजिक संस्थाओं, नेताओं क्षेत्र में जनसेवा की दुकानदारी कर रहे लोगों ने शायद शासन प्रशासन के समक्ष यह आवाज नही उठायी कि बदले दौर में शहर की यातायात पूरी तरह सुधार कर जनता को निर्भय बनाया जाए। वही दूसरी ओर नगर में देखा जा रहा है कि नगर में जहां तहां बनी हुई पक्की नालियों पर लोगों द्वारा अपने घरों के प्रवेश द्वारा व दुकानों की सिडियाँ बनाकर उन पर कब्जा कर लिये जाने का परिणाम है कि इस समय नगर के अनेक जगहों की नाली लोगों के अतिक्रमण में होने से उनपर कब्जा हो गया है जिसके चलते नालियाँ साफ नही होने के कारण यह नाली चोक हो चुकी जिसके चलते नालियों का निकलने वाला गंदा पानी मुख्य सड़कों पर बहता हुआ आसानी से देखा जा सकता है। इस स्थिति में लोगों को उसी गंदे पानी के बीच से निकलने मजबूर होना पड़ रहा है। यदि इन नालियों को अतिक्रमण से मुक्त कराय दिया जावे तो निश्चित तौर से इन नालियों की नियमित सफाई होने लगे तो नगर की सफाई व्यवस्था में भी सुधार आ सकता है।

सालीचौका रेल्वे स्टेशन पर अव्यवस्थाओं का बोलबाला कोई नहीं दे रहा ध्यान, यात्री होते रहते हैं परेशान

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका । जहां एक ओर रेल विभाग द्वारा अपने यात्रियों को अच्छी सुविधाएं प्रदान करने की बात कही जाती है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि सालीचौका रेल्वे स्टेशन पर उचित व्यवस्थाएं नही होने के कारण यात्री परेशान होते रहते है। बताया जाता है कि सालीचौका रेल्वे स्टेशन से क्षेत्र के लगभग 50 से अधिक गांवों के लोग यात्रा करने के लिए पहुंचते है। लेकिन यात्रियों की सुविधाओं के लिए यहॉ पर न तो सुविधा जनक यात्री प्रतिक्षालय है तथा न ही आरक्षण टिकिट काउंटर तथा पार्सल कार्यालय भी नही है जिस बजह से नगरवासियो तथा आसपास से आये यात्रियों को भारी परेशानियों का समाना करना पड रहा है। वही दूसरी ओर सालीचौका रेल्वे परिसार में एक नल से पेय जल के माध्सम से काम चलाना पड रहा है यहॉ पर देखने के लिए नल के स्तंभ तो खडे है पर उनमें नल का कही अता पता नही रहता है जिसके चलते वह मात्र शोभा की सुपानी बनकर रह गये है? वही यात्रियों के लिए एक ही टिकिट खिडकी से यात्रिओं को आरक्षण तथा साधारण टिकिट लेना पडती है तथा उसी जगह से पार्सल कार्यालय का संचानल होता है जिसके चलते जहां टिकिट लेने में यात्रियों को परेशानी हो रही है। वही दूसरी ओर दूर दराज के ग्रामों से आये यात्रियों को प्रतिक्षालय के अभाव में इधर उधर भटकने को मजबूर होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है। वही दूसरी ओर सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह है कि इस रेल्वे स्टेशन सालीचौका पर मात्र चंद ट्रेने रूकने के चलते क्षेत्रवासियों को लाभ नही मिल पा रहा है। इस तरह नागपुर, इंदौर ओवर नाईट के माध्यम से तथा मुम्बई, दिल्ली जाने वाली लम्बी दूरी की जरूरी ट्रेन का स्टाप नही होने के कारण क्षेत्र के लोगों को बाहर जाने के लिये उन ट्रेन पकड़ने लिए या तो गाडरवारा जाना पड़ता है या फिर पिपरिया जिसके चलते क्षेत्र के लोगों द्वारा रेल प्रबंधन से जनहित में मांग की है कि उक्त समस्याओ को ध्यान में रख कर शीघ्र की निराकरण किया जावे। क्योंकि सालीचौका में मेल सहित रात के समय इंदौर की ओर जाने वाले ओवर नाईट, इलाज कराने के लिये नागपुर जाने तथा सुबह भोपाल की ओर जाने वाले अमरकंटक सहित जनाशताब्दी को रोका जावे। वही रेलवे स्टेशन की अन्य व्यवस्थाओं को लेकर कुछ लोगो नाम न छापने की शर्त पर कहना है यहॉ शाम होते ही सुरा प्रेमियो के द्वारा डेरा जमा लिया जाता है जिस बजह से महिलाओं को बहुत ही दिक्कतो का मुह देखना पड़ता है? महिलाये अपने आप को यहॉ असुरक्षित समझती है। इस संबंध में यहां के अनाज व्यवसासियों का कहना है कि ये बात सही है कि यहॉ की रेल्वे स्टेशन पर न तो पूर्ण सुविधा जनक यात्री प्रतिक्षालय है और न ही पेय जल की ठीक तरह व्यवस्था है ग्रामीण अंचल से आये लोगो के लिए यहॉ प्रतिक्षालय का होना अति आवश्यक है और साथ ही प्रतिक्षालय की वजह से महिलाओं को बैठने में असुविधा होती है। इस तरह जरूरी रेल सुविधाओं से बंचित रह रहे सालीचौका क्षेत्रवासियों का कहना है कि यहॉ शाम होते ही रेल्वे स्टेशन पर शराब पीने वालो की संख्या दिनों दिन बढती ही जा रही है जिसके चलते जहां यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वही दूसरी ओर एकल टिकिट खिलड़ी के कारण भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वही प्रकार से जब समीपस्थ कुछ ग्रामों के लोगो से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि जब कभी हम रात्री के समय में जबलपुर से सालीचौका आते है तो यहॉ पर सुविधा जनक यात्री प्रतिक्षालय तक नही है जहां पर कोई यात्री रात के समय रूक सके। क्योंकि बना हुआ यात्री प्रतिक्षालय पूर्ण रूप से असुरक्षित है।

मृदा परीक्षण प्रयोग शाला में लट रहा ताला, लाखों की लागत से बना हुआ भवन बना शोभा की सुपारी

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। इस समय सांईखेड़ा क्षेत्र के किसानों जिस प्रकार से अनेक परेशानियों से जूझते हुये देखे जा रहे है उनकी समस्याओं के निदान को लेकर आज तक किसी भी नेता द्वारा ठोस प्रयास नही किये गये है, जिसके चलते आज स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही कि क्षेत्र के किसानों द्वारा लगातार मांग किये जाने के बाद यहां पर कृषि उपज मंडी की शुरूआत की औपचारिकता तो पूरी हो गई है। मगर वह मात्र शोभा की सुपारी बनकर रह जाने के चलते किसानों को सही लाभ नही मिल पा रहा है। वही दूसरी ओर मंडी के रख रखाव को लेकर बरती जा रही उदासीनता के चलते लाखों की लगात से मंडी में किया गया निर्माण टूटते हुये दिखाई देने लगा है। वही दूसरी ओर मंडी की शासकीय भूमि अतिक्रमण की भेंट चढ़ने से भी नही चूक पा रही है। वही दूसरी ओर वर्ष 2017 में म.प्र. शासन द्वारा किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की ओर से साईखेडा में मृदा परीक्षण प्रयोग शाला भवन का निर्माण कराते हुये लाखों की लागत से बने हुये इस भवन का 14 अक्टूबर 2017 को लोकापर्ण तो कर दिया गया है। मगर उस दिन के बाद आज तक न तो इस भवन का शायद ही किसी ने ताला खुलते हुये देख पाया है और न ही क्षेत्र के किसानों को इसका लाभ मिलते हुये दिखाई दे रहा है। जिसके चलते जहां लाखों की लगात से बना हुआ यह भवन खंडहर की स्थिति में पहुंचने से भी नही चूक पा रहा है। यदि इस प्रयोग शाला का शुभारंभ हो जाता तो निश्चित ही क्षेत्र के किसान अपने खेतों की मिट्टी का परीक्षण कराकर मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी ले सकते और अपनी जमीन से फसल की उपज बढ़ाने में सफल हो जाते। मगर लाखों की लागत से बना हुआ यह भवन मात्र शोभा की सुपारी बनकर रह गया है। मगर इस भवन के लोकापर्ण के बाद आज तक इसमें किसी भी प्रकार के न तो उपकरण स्थापित किये गये है और न ही इसे चालू कराने की ओर ध्यान दिया गया है। जिसके चलते क्षेत्र के किसानों द्वारा इस प्रयोग शाला को शीघ्रता के साथ शुभारंभ करने की मांग उठाई जाने लगी है।

खबर संक्षेप

किसानों से कथित भूमि धोखाधड़ी मामले में प्रॉपर्टी कारोबारी पर एफआईआर दर्ज

शहपुरा। शहपुरा क्षेत्र में किसानों की भूमि की खरीद-फरोख्त से जुड़े कथित धोखाधड़ी के मामले में लंबी प्रशासनिक जांच के बाद पुलिस ने प्रॉपर्टी कारोबारी विजय सोनी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार किसानों की ओर से वर्षों से की जा रही शिकायतों के आधार पर प्रशासन ने मामले की विस्तृत जांच कराई थी। जांच के दौरान वर्ष 2016 से 2026 के बीच हुए विभिन्न भूमि सौदों, रजिस्ट्री दस्तावेजों, भुगतान संबंधी अभिलेखों तथा पावर ऑफ अटॉर्नी से जुड़े मामलों का परीक्षण किया गया। जांच प्रतिवेदन के आधार पर तहसील प्रशासन ने पुलिस को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा, जिसके बाद शहपुरा थाना पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध किया। प्रशासनिक जांच में कुछ मामलों में किसानों को भूमि का पूर्ण भुगतान नहीं मिलने, कम भूमि का सौदा कर अधिक भूमि की रजिस्ट्री कराने, कथित फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी के माध्यम से भूमि हस्तांतरण करने तथा अन्य व्यक्तियों के नाम पर रजिस्ट्री कराने जैसी शिकायतों का उल्लेख किया गया है। जांच रिपोर्ट में कई शिकायतकर्ताओं के प्रकरणों का अलग-अलग परीक्षण करते हुए कथित अनियमितताओं का विवरण दर्ज किया गया है।जांच के दौरान शिकायतकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों, राजस्व अभिलेखों और रजिस्ट्री रिकॉर्ड का परीक्षण किया गया। जांच दल ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई की अनुशंसा की थी। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

विकास कार्यों में देरी नहीं होगी बर्दाश्त, समय-सीमा में पूरे करें निर्माण कार्य- कलेक्टर हर्षल पंचोली

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के उद्देश्य से कलेक्टर हर्षल पंचोली ने सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्यों की अद्यतन जानकारी वर्क मैनेजमेंट पोर्टल पर नियमित रूप से दर्ज की जाए और कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, ब्रिज कॉर्पोरेशन, स्कूल शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, नगरीय निकाय, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित विभिन्न निर्माण एजेंसियों के कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने प्रत्येक परियोजना की वर्तमान स्थिति, प्रगति, शेष कार्य एवं संभावित बाधाओं की जानकारी लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री पंचोली ने कहा कि जिले के विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे होना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा वर्क मैनेजमेंट पोर्टल पर प्रत्येक परियोजना की भौतिक प्रगति, वित्तीय टिप्पणी, कार्य पूर्ण होने की संभावित तिथि और यदि किसी प्रकार की समस्या हो तो उसका विस्तृत उल्लेख अनिवार्य रूप से किया जाए।

राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन, परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की उठाई मांग

नीट पेपर लीक के विरोध में डिंडौरी में छात्रों का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

नीट (NEET) पेपर लीक प्रकरण को लेकर रविवार को डिंडौरी में छात्र संगठनों, बुद्धिजीवियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सीवी कॉलेज गेट से कलेक्ट्रेट तक रैली निकालकर शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुधार की मांग उठाई। इसके बाद राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के नाम ज्ञापन सौंपते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई।प्रदर्शनकारियों ने बताया कि पर्यावरणविद एवं वैज्ञानिक सोनम वांगचुक जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे थे। स्वास्थ्य खराब होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसी क्रम में 20 जुलाई को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन और संसद मार्च के आह्वान के समर्थन में डिंडौरी में भी छात्र एवं सामाजिक संगठनों ने रैली निकालकर अपनी मांगें रखीं।

रैली सीवी कॉलेज गेट से प्रारंभ होकर कॉलेज तिराहा होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। इस दौरान छात्र-छात्राओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, परीक्षा प्रणाली में सुधार और विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा को लेकर नारेबाजी की। कलेक्ट्रेट में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग की गई।ज्ञापन में कहा गया कि देशभर के लाखों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही की अपेक्षा रखते हैं। बीते वर्षों में NEET, UGC-NET सहित विभिन्न परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, परीक्षा प्रबंधन की खामियों और भर्ती प्रक्रियाओं में विलंब ने युवाओं का विश्वास कमजोर किया है। ज्ञापन में वर्ष 2026 के कथित NEET-UG पेपर लीक से प्रभावित होकर कुछ छात्रों द्वारा आत्महत्या किए जाने का भी उल्लेख करते हुए गहरी चिंता व्यक्त की गई।प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति से मांग की कि सभी प्रतियोगी परीक्षाओं एवं भर्ती प्रक्रियाओं को पूरी तरह सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाए। परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए उच्चस्तरीय स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित की जाए तथा पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं की समयबद्ध एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।ज्ञापन में जंतर-मंतर पर आंदोलनरत छात्रों से संवाद स्थापित करने तथा उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करने का भी आग्रह किया गया। साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर संविधान और कानून के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने देशभर में समान शिक्षा प्रणाली और समान पाठ्यक्रम लागू करने की मांग करते हुए कहा कि इससे राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सभी विद्यार्थियों को समान अवसर मिल सकेगा। इसके अलावा डिंडौरी जैसे दूरस्थ एवं आदिवासी जिलों में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थायी परीक्षा केंद्र स्थापित करने की मांग भी रखी गई।ज्ञापन में यह भी कहा गया कि यदि भविष्य में NEET-UG परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की जाती है तो उससे पहले सभी शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण कंप्यूटर शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा कम से कम पांच वर्षों तक विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा उपलब्ध कराने के बाद ही ऑनलाइन परीक्षा लागू की जाए।इसके अतिरिक्त, NEET-UG पेपर लीक से प्रभावित होकर आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल की गई।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष का विरोध नहीं, बल्कि देश के करोड़ों विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा तथा शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय बनाना है।

मानव श्रृंखला से दिया नशामुक्ति का संदेश, लेकिन अवैध शराब पर उठे सवाल

डिंडौरी। जिले में नशा मुक्ति अभियान 2.0 के तहत सोमवार को जिला मुख्यालय में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विशाल मानव श्रृंखला एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना रहा।कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं, अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने मानव श्रृंखला बनाकर नशामुक्त समाज का संदेश दिया तथा शहर के प्रमुख मार्गों पर रैली निकालकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया। इस दौरान "नशा छोड़ें, जीवन जोड़ें", "नशामुक्त डिंडौरी" और "नशामुक्त भारत" जैसे नारे लगाए गए। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प भी दिलाया गया।कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी, थाना प्रभारी यातायात, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली, पुलिस विभाग एवं सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, उत्कृष्ट विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा नशा मुक्ति केंद्र के कर्मचारी उपस्थित रहे।

हालांकि, अभियान के बीच जमीनी हकीकत को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। नर्मदा नदी के तट से पांच किलोमीटर के दायरे में शराब की बिक्री प्रतिबंधित होने के बावजूद जिले के कई क्षेत्रों में खुलेआम अवैध शराब के कारोबार की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई स्थानों पर अवैध शराब आसानी से उपलब्ध हो जाती है, जिससे नशामुक्ति अभियान की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।लोगों का कहना है कि केवल जागरूकता रैली और मानव श्रृंखला आयोजित करने से नशामुक्त समाज का लक्ष्य हासिल नहीं होगा। इसके लिए अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई तथा लगातार सख्त निगरानी भी आवश्यक है। नागरिकों का मानना है कि जनजागरूकता अभियान के साथ यदि कानून का कड़ाई से पालन कराया जाए, तभी नशामुक्त डिंडौरी का उद्देश्य वास्तविक रूप से पूरा हो सकेगा।

शासकीय सांदीपनि विद्यालय शहपुरा में 46 विद्यार्थियों को मिली साइकिलें

हरिभूमि न्यूज शहपुरा। शासकीय सांदीपनि विद्यालय, शहपुरा में सोमवार को शासन की निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत कक्षा 9वीं के 46 छात्र-छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम विद्यालय के मध्यान्ह अवकाश के दौरान आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों की उपस्थिति में साइकिलें प्रदान की गईं।इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य यशवंत साहू ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने, अनुशासन का पालन करने तथा मन लगाकर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शासन की यह योजना विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए लाभकारी है, जिससे उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलेगी और शिक्षा के प्रति उनकी रुचि एवं निरंतरता बढ़ेगी।कार्यक्रम में साइकिल वितरण प्रभारी उमाकांत झारिया सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए साइकिलों का सुरक्षित एवं जिम्मेदारी के साथ उपयोग करने की सलाह दी।

ब्लैक स्पॉट पर लगेंगे साइन बोर्ड, स्पीड ब्रेकर पर होगी कलर पेंटिंग

मुख्य मार्गों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश, सड़क सुरक्षा को लेकर जिला समिति की बैठक

डिंडौरी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और दुर्घटना रोकथाम से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।बैठक में राजस्व, पुलिस एवं नगर परिषद के अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर शहर के प्रमुख मार्गों के दोनों ओर तथा रानी अवंतीबाई चौक और साकेत नगर क्षेत्र में किए गए अतिक्रमण को अभियान चलाकर हटाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि यातायात को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर की जाए।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जिले के दुर्घटना संभावित (ब्लैक स्पॉट) स्थलों पर आवश्यक साइन बोर्ड लगाने तथा स्पीड ब्रेकरों पर स्पष्ट कलर पेंटिंग कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में विशेष रूप से वर्षा ऋतु के दौरान होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया गया।बैठक में प्रधानमंत्री राहत योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।इस दौरान अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेखा धर्मेंद्र सिंह, संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन सहित सभी डिप्टी कलेक्टर एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय धामनगांव में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत हुआ वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, धमनगांव में 19 जुलाई को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम यूनिट-4 एमपी सीटीआर एनसीसी, जबलपुर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सिद्धार्थ सूर्वे के संरक्षण, एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अमृता सिंह के मार्गदर्शन, विद्यालय की प्राचार्य अलका विश्वकर्मा के नेतृत्व तथा एसोसिएट एनसीसी चीफ ऑफिसर अनुपमा पी. सुंदरम के निर्देशन में आयोजित हुआ।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया गया। एनसीसी के लगभग 50 कैडेट्स, जिनमें 23 छात्र एवं 27 छात्राएं शामिल थीं, ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण कर अभियान में सहभागिता निभाई।इस अवसर पर विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका संचिता बनर्जी सहित शिक्षक क्षितिज सिंह चौहान, विपिन कुमार, जनार्दन बोरकर, सुनीता गुप्ता, धर्मेंद्र सोनकर, शिवानी राणा, अजीत कुमार, रामानंद तथा बद्री प्रसाद गुप्ता सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के महत्व और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। विद्यालय परिवार ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प भी लिया।

अमरकंटक मंदिर परिसर में टीका-चंदन लगाते नौनिहाल, शिक्षा और सुरक्षा पर गंभीर सवाल

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मां नर्मदा के उद्गम स्थल और देश के प्रमुख धार्मिक तीर्थों में शुमार अमरकंटक इन दिनों एक ऐसे दृश्य का साक्षी बन रहा है, जिसने बाल अधिकार, शिक्षा व्यवस्था और मंदिर परिसर की सुरक्षा को लेकर कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। मंदिर परिसर, कोटितीर्थ कुंड और रामघाट क्षेत्र में बड़ी संख्या में मासूम बच्चे श्रद्धालुओं के माथे पर टीका-चंदन लगाकर उनसे धनराशि प्राप्त करते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह गतिविधि अब लगातार और खुले तौर पर संचालित हो रही है, लेकिन इसे रोकने की दिशा में अब तक कोई प्रभावी पहल नजर नहीं आ रही। मंदिर परिसर में बच्चों के हाथों में चंदन के डिब्बे, ब्रश और नर्मदे हर, ओंम तथा महाकाल अंकित सांचे दिखाई देते हैं। श्रद्धालुओं को रोककर उनके माथे पर टीका लगाया जाता है और उसके बाद उनसे स्वेच्छा अथवा अपेक्षित रूप से धनराशि ली जाती है। कई श्रद्धालु इसे धार्मिक परंपरा का हिस्सा समझकर राशि दे देते हैं, जबकि स्थानीय लोगों का कहना है कि इसके पीछे आर्थिक लाभ का एक नियमित माध्यम विकसित हो चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन बच्चों को इस समय विद्यालय की कक्षाओं में होना चाहिए, वे दिनभर मंदिर परिसर में क्यों दिखाई दे रहे हैं? स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कुछ अभिभावक प्रतिदिन मिलने वाली आय के कारण बच्चों को स्कूल भेजने के बजाय इस कार्य में लगा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, एक बच्चा प्रतिदिन लगभग 200 से 300 रुपये तक कमा लेता है। यही कारण

है कि कई बच्चे सुबह से शाम तक मंदिर परिसर में ही सक्रिय रहते हैं और उनकी पढ़ाई लगातार प्रभावित हो रही है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो यह केवल शिक्षा से दूरी का मामला नहीं रहेगा, बल्कि एक पूरी पीढ़ी के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। बाल्यावस्था में शिक्षा से वंचित होने वाले बच्चों के लिए आगे चलकर बेहतर रोजगार, सामाजिक विकास और आत्मनिर्भर जीवन की संभावनाएं भी कमजोर पड़ सकती हैं।

क्या बाल संरक्षण कानूनों का हो रहा है उल्लंघन?

सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि बच्चों से नियमित रूप से आर्थिक गतिविधियां कराई जा रही हैं और इसके कारण उनकी शिक्षा प्रभावित हो रही है, तो यह विषय केवल सामाजिक चिंता तक सीमित नहीं है। यह बाल अधिकार, बाल संरक्षण और बाल श्रम से जुड़े कानूनों के दृष्टिकोण से भी गंभीर जांच का विषय हो सकता है। लोगों का कहना है कि संबंधित विभागों को इस पूरे मामले का तथ्यात्मक परीक्षण कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

बाहरी एवं संदिग्ध लोगों की सक्रियता पर भी चिंता

स्थानीय लोगों का आरोप है कि मंदिर परिसर में कुछ बाहरी एवं संदिग्ध व्यक्ति भी इसी प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त हैं। उनकी पहचान, सत्यापन और उद्देश्य को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं की आवाजाही वाले इस संवेदनशील धार्मिक स्थल पर ऐसे लोगों की मौजूदगी सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से भी चिंता का विषय मानी जा रही है। कुछ समय पूर्व जबलपुर से आए पर्यटकों के सामान चोरी होने की घटना भी सामने आई थी, जिसकी शिकायत पुलिस थाना अमरकंटक और नगर परिषद में दर्ज कराई गई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि उस घटना के बाद भी मंदिर परिसर में सक्रिय बाहरी लोगों के सत्यापन और निगरानी को लेकर अपेक्षित सख्ती दिखाई नहीं दी।

सावन में लाखों श्रद्धालुओं की होगी आमद

कुछ ही दिनों में सावन माह प्रारंभ होने वाला है। इस दौरान देशभर से लाखों श्रद्धालु मां नर्मदा के दर्शन, पूजन और जलाभिषेक के लिए अमरकंटक पहुंचते हैं। ऐसे समय में यदि मंदिर परिसर में बच्चों से इस प्रकार का कार्य कराया जाता रहा और बाहरी लोगों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी नहीं रही, तो भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था दोनों के लिए चुनौती बढ़ सकती है।

जवाब तलाश रहे हैं स्थानीय लोग

स्थानीय नागरिक कई सवाल उठा रहे हैं क्या मंदिर परिसर में बच्चों की नियमित मौजूदगी की जानकारी संबंधित विभागों को है? क्या इन बच्चों का विद्यालयों में नामांकन और उपस्थिति की जांच हुई है? क्या बाल संरक्षण, शिक्षा और श्रम विभाग ने कभी संयुक्त निरीक्षण किया? मंदिर परिसर में सक्रिय बाहरी लोगों का सत्यापन कब और किस स्तर पर हुआ? और सबसे महत्वपूर्ण, यदि बच्चे शिक्षा छोड़कर इस कार्य में लगे हैं तो उन्हें दोबारा स्कूल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा?

नशे से दूरी, उज्ज्वल भविष्य की मजबूरी

अमरकंटक। युवाओं को नशे की लत से बचाकर स्वस्थ, सुरक्षित और जिम्मेदार समाज के निर्माण के उद्देश्य से अमरकंटक पुलिस द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान 2.0 के तहत सोमवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोड़की एवं ताली में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अंकसूची गुमी

मैं भूपेन्द्र सिंह कुशराम पिता भगवत सिंह कुशराम उम्र 34 वर्ष जाति गोंड निवासी ग्राम इमलई पो. रयपुरा थाना, तह. व जिला डिण्डौरी (म. प्र.) उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ। मै दिनांक 16.06.2026 को डिण्डौरी से भोपाल जा रहा था एवं दिनांक 17.06.2026 को भोपाल रेलवे स्टेशन पहुचा उसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा मेरा बैग चौरी कर लिया गया है। उक्त बैग मे मेरी कक्षा 10 वी, 12वी एवं बी.ए. की अंकसूची एवं अन्य दस्तावेज रखे हुये थे। मेरे द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय धमनगांव से 10 वी वर्ष 2008 रोल नम्बर 1146038 एवं कक्षा 12वी वर्ष 2010 रोल नम्बर.....एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक से बी.ए. वर्ष 2014 रोल नम्बर..... है। मेरे द्वारा थाना डिण्डौरी मे प्रथम सूचना दिये जाने एवं द्वितीय प्रति चाहने स्वयं का शपथ पत्र निष्पादित कर रहा हूँ। मेरे द्वारा दी गई जानकारी सत्य व सही है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, मंगलवार 21 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

रासेयो स्वंयसेवकों ने किया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.बी. सिंह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में हरित प्रदेश अभियान के अंतर्गत पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रानी कुमारी, वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. शोभा मिश्रा, आलोक तिवारी, अर्पित सक्सेना, हेमंत अहिरवार, महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में ईको क्लब, स्वच्छ भारत मिशन, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की भी भागीदारी रही। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाना तथा समाज में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के प्रति जनजागरूकता विकसित करना था। इस अवसर पर उपस्थित सभी स्वयंसेवकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा संकल्प लिया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएंगे, उनकी नियमित देखभाल करेंगे और अपने आसपास के लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान हरित एवं स्वच्छ मध्यप्रदेश के निर्माण का संदेश भी दिया गया।

अमृता कोचिंग सेंटर में मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जरजोला रोड़ पर स्थित अमृता कोचिंग सेन्टर में मेधावी छात्रों के जीवन पर प्रकाश डालकर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमतीं नीना बुधौलिया रही एवम विशिष्ट अतिथि श्रीमतीं विभा दुबे,श्रीमती अंजू साहू एवम अनुराधा नामदेव रहीं। कार्यक्रम में श्रीमतीं अमृता द्वारा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य एवं बच्चे को प्रोत्साहित करने हेतु शील्ड एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया। संस्था में सुविधाएं देकर बच्चों को सामान्य शुल्क एवं प्रतियोगिता द्वारा निशुल्क अध्ययन कराया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन एवं हाई परसेंटेज हेतु मोटिवेट करना था।

नहीं रहे मुन्ना लाल सेन

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस तेंदूखेड़ा के प्रतिष्ठित सेन समाज के मुन्ना लाल सेन का असमय दुखद निधन हो जाने पर उन्हें नगर के सभी वर्गों के लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी। सहज सरल विनोदी स्वभाव के मुन्ना लाल प्रीतम मन्नु सोनू के पूज्य पिता तथा जगदीश सुरेश बलराम गुड्डू भगवानदास सेन के बड़े भाई थे।

परिजनों ने किया हाइवे में चक्काजाम

सड़क दुर्घटना में युवाओं की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। रविवार को जबलपुर-भोपाल राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 पर एक हृदय विदारक दुर्घटना में पांच युवकों की असमय मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल है। हादसे का शिकार हुए सभी छः युवक जबलपुर जिले के रहने वाले थे और छुट्टी के दिन नरसिंहपुर-जबलपुर सीमा पर स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हाथीनाला वॉटरफॉल घूमने आए थे।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, हादसा सुआतला थाना क्षेत्र के इंदिरा नगर के समीप हुआ। सभी युवक हाईवे के किनारे खड़े थे, तभी एक बेकाबू अज्ञात भारी वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसकी गूंज दूर तक सुनाई दी। दुर्घटना में एक युवक ने मौके पर ही तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया, जबकि पांच अन्य लहूलुहान हालत में सड़क पर बिखर गए। राहगीरों और पुलिस की मदद से तुरंत सभी को अस्पताल पहुंचाया गया।

रास्ते में चार घायलों ने तोड़ा दम

जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया ने बताया कि पावला निवासी राजेंद्र पटेल की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी। शेष पांच घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें तुरंत जबलपुर रेफर किया गया। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था, जबलपुर ले जाते समय रास्ते में शहपुरा के पास तीन और युवकों की सांसें थम गईं। शहपुरा थाना प्रभारी प्रतीक धुर्वे के अनुसार, रास्ते में दम तोड़ने वाले मृतकों की शिनाख्त वीरेंद्र लोधी उम्र 20 वर्ष, रापाल लोधी उम्र 21 वर्ष दोनों निवासी ग्राम पावला और जयपाल लोधी उम्र 30 वर्ष निवासी बरपटी के रूप में की गई है। इस दर्दनाक हादसे में बरपटी गांव के दो युवक आकाश लोधी उम्र 24 वर्ष और नीरज लोधी उम्र 25 वर्ष गंभीर रूप से घायल हैं। वही एक ने मेडिकल कालेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वही दूसरे का उपचार जारी है। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। इधर, सुआतला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

जंगल में छिपा मिला हाइवा

हादसे की जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि जबलपुर से भोपाल की ओर जा रहा संदिग्ध हाइवा घटना के बाद आगे किसी भी टोल प्लाजा से नहीं गुजरा। इस आधार पर नरसिंहपुर पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना ने आशंका जताई कि वाहन को हाईवे से हटाकर किसी सुनसान स्थान या जंगल में छिपाया गया होगा। इसके बाद पुलिस की चार विशेष टीमों ने रातभर हाईवे से सटे जंगलों और निर्जन क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया। रात करीब 12:30 बजे से तड़के 3 बजे के बीच पुलिस ने जंगल में छिपाकर खड़ा किया गया हाइवा बरामद कर लिया। बरामद हाइवा पर नंबर प्लेट नहीं थी। पुलिस ने इंजन और चेचिस नंबर के आधार पर

आरटीओ रिकॉर्ड की जांच की, जिससे वाहन मालिक की पहचान बेलखेड़ा के सुंदरादेही निवासी आनंद ठाकुर (राजपूत) के रूप में हुई। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आनंद ठाकुर पर पहले से पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। फॉरेंसिक और भौतिक जांच में हाइवा से दुर्घटना से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य भी मिले हैं।

ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

उक्त घटना में गांव में मातम पसरा हुआ है वही गुस्साए ग्रामीणों ने नेशनल हाइवे के पावला तिराहे पर चक्काजाम कर दिया। जिससे हाईवे पर लंबा जाम लग गया। प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को आश्वासन देकर हाईवे को चालू कराया गया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच में जुटी हुई। पुलिस का मुख्य फोकस घटना के समय वाहन चला रहे ड्राइवर की पहचान और गिरफ्तारी पर है। फिलहाल वाहन मालिक आनंद ठाकुर और संभावित चालक दोनों के मोबाइल फोन बंद हैं। पुलिस की टीमें उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, दोनों से पूछताछ के बाद ही घटना का पूरा घटनाक्रम स्पष्ट हो सकेगा। सुआतला थाना पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 के तहत गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है।

एलआईसी एजेंट ने लगाई फांसी, हुई मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस धनारे कॉलोनी गली नंबर 3 निवासी एलआईसी एजेंट ने आर्थिक तंगी और मानसिक प्रताड़ना के चलते फंदे पर झूलने की दर्दनाक घटना सामने आई है। मृतक की पहचान 52 वर्षीय प्रकाश पिता प्रेमलाल कहार के रूप में हुई है, जिनका शव उनके ही घर की पहली मंजिल पर फांसी के फंदे से लटकता मिला। कमरे में मिली एक डायरी से पुलिस ने सुसाइड नोट बरामद किया है, जिसमें होम फाइनेंस कंपनी की मनमानी और मोटा ब्याज वसूलने वाले सूदखोरों की प्रताड़ना का स्पष्ट उल्लेख है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर करीब 3:30 बजे प्रकाश कहार अपने घर की पहली मंजिल स्थित कमरे में सोने चले गए थे। शाम करीब 6:30 बजे तक जब वे नीचे नहीं आए, तो उनका बेटा उन्हें बुलाने ऊपर गया। कमरा अंदर से बंद था। किसी तरह अंदर की चिटकनी खोलकर जब प्रशांत भीतर पहुंचा, तो पिता को सीलिंग के लोहे के एंगल से नायलॉन की रस्सी के सहारे लटकता देख उसके होश उड़ गए। घटना की सूचना तुरंत डायल 112 को दी गई। कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया, जहां सोमवार सुबह पोस्टमार्टम किया गया। मृतक के पुत्र प्रशांत ने बताया कि 10 वर्ष पूर्व धनारे कॉलोनी में मकान खरीदने के लिए उनके पिता ने होम फाइनेंस कराया था, जिसकी मासिक किस्त करीब 26 हजार रुपए थी। कुछ समय पूर्व 3 लाख रुपए ओवरड्यू होने पर राशि की व्यवस्था कर ली गई थी, लेकिन कंपनी अचानक 9 लाख रुपए ओवरड्यू बताने लगी और परिजनों की बात सुनने से इनकार कर दिया। बीती 17 जुलाई को फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों ने मकान पर पहुंचकर सभी को बाहर निकाल दिया और मकान सील कर दिया था। हालांकि, एक महीने की मोहलत मिलने पर परिजन पुनः उसी मकान में रहने लगे थे। इस वित्तीय संकट से निपटने के लिए प्रकाश कहार ने चेक देकर कुछ लोगों से मोटे ब्याज पर पैसा उधार लिया था। रकम न चुका पाने पर सूदखोर उन्हें लगातार मानसिक रूप से परेशान कर रहे थे, जिसकी शिकायत उन्होंने पूर्व में पुलिस से भी की थी। पुलिस को मिले सुसाइड नोट में उन 5-6 लोगों के नामों का स्पष्ट उल्लेख है जो प्रकाश कहार को भारी-भरकम ब्याज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे। साथ ही इसमें फाइनेंस कंपनी द्वारा दी जा रही प्रताड़ना की पूरी व्यथा दर्ज है। कोतवाली थाना पुलिस सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर मामले की गहन जांच कर रही है।

चेक डैम बना गांव की जीवनरेखा

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। जिले के छोटे से गांव पाठा में आज एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। कभी पानी की कमी से जूझने वाला यह गांव अब जल समृद्धि की मिसाल बन रहा है और इस बदलाव के केंद्र में है चेक डैम। ग्राम पाठा में करीब 8.50 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह चेक डैम आकार में भले ही साधारण हो, लेकिन यह लगभग 20 मीटर लंबा और 1.5 मीटर ऊंचा है। इसका प्रभाव पूरे गांव के जीवन पर असाधारण है। लगभग 4500 घनमीटर जल भंडारण क्षमता वाला यह डैम इस वर्ष बारिश के पानी से पूरी तरह भर चुका है और अब गांव के लिए जल का स्थायी स्रोत बन गया है। कुछ समय पहले तक गांव में जलस्तर इतना नीचे चला गया था कि कुएं और बोरवेल लगभग सूखने की स्थिति में थे। ग्रामीणों को पानी के लिए परेशान होना पड़ता था। लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। चेक डैम के कारण जलस्तर में सुधार हुआ और आज करीब 60 फीट पर पानी उपलब्ध हो रहा है। इस जल संरचना का सीधा लाभ गांव के किसानों को मिला है। करीब 20 एकड़ कृषि भूमि अब सिंचित हो रही है। जहां पहले किसान केवल वर्षा पर निर्भर थे, वहीं अब उन्हें फसलों के लिए समय पर पानी मिल रहा है। इससे उत्पादन बढ़ने के साथ किसानों की आय में भी वृद्धि की उम्मीद है। चेक डैम ने सिर्फ पानी ही नहीं रोका, बल्कि गांव के भविष्य को भी संवार दिया है। जल संरक्षण से क्षेत्र में हरियाली बढ़ी है, मिट्टी की नमी बनी हुई है और पर्यावरण संतुलन को भी मजबूती मिली है। ग्रामीणों ने बताया कि यह चेक डैम उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। अब पानी की चिंता नहीं रहती, खेती भी बेहतर हो रही है।

उजाले के मुसाहिब नाट्य का हुआ मंचन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय संस्कृति संचालनालय, मध्य प्रदेश शासन भोपाल, उच्च शिक्षण संस्था एम.आई.एम.टी. कॉलेज एवं रंग सरोकार नाट्य समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 25 दिवसीय नाट्य कार्यशाला का समापन श्रीमती संध्या कोठारी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष, डॉ. अशोक कुमार गर्ग प्राचार्य एम.आई.एम.टी. कॉलेज, एड. रचित तिवारी डायरेक्टर एम.आई.एम.टी. लॉ कॉलेज, पुनीत त्रिवेदी संचालक रंग सरोकार नाट्य समिति की उपस्थिति में किया गया। नाट्य मंचन कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने कार्यशाला की प्रशंसा करते हुए कहा कि नाट्य कार्यशालाएँ युवाओं के व्यक्तित्व विकास, रचनात्मक सोच, सांस्कृतिक चेतना तथा सामाजिक संवेदनशीलता को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यशाला के समापन अवसर पर प्रशिक्षु कलाकारों द्वारा सुप्रसिद्ध साहित्यकार विजयदान देथा की कहानी पर आधारित नाट्य प्रस्तुति उजाले के मुसाहिब का गरिमामय मंचन किया गया। नाट्य का निर्देशन वरुण शर्मा (मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय) ने किया। प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को अभिनय, वाचिक एवं आंगिक अभिव्यक्ति, स्वर एवं शारीरिक प्रशिक्षण, मंच अनुशासन, चरित्र निर्माण, समूह समन्वय, रंग-अभ्यास तथा नाट्य प्रस्तुति की व्यावहारिक विधियों का गहन प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने नियमित अभ्यास कर रंगमंच की विभिन्न विधाओं का अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम में जबलपुर से विवेचना हेतु रंग मंडल संस्था के सदस्य एवं जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ रंगकर्मियों, साहित्यकारों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, कला प्रेमियों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रतिभा को सलाम डोंगरा के भाई-बहन ने नीट परीक्षा में लहराया परचम

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र के ग्राम डोंगरा के एक ही परिवार के दो होनहार भाई बहन ने नीट NEET 2026 की परीक्षा में उत्कृष्ट अंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सुरेन्द्र सिंह पटेल के पुत्र हर्ष कुमार पटेल और बिटिया नम्रता पटेल ने इस कठिन परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त की है।

नम्रता ने हासिल की ऑल इंडिया रैंक 2971 परीक्षा परिणामों में बिटिया नम्रता पटेल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 634 अंक अर्जित किए हैं। जिसके साथ उन्होंने 2971वीं ऑल इंडिया रैंक हासिल की है।

भाई हर्ष भी नहीं रहे पीछे

वहीं उनके भाई हर्ष कुमार पटेल ने भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 584 अंक प्राप्त किए हैं। हर्ष ने 16144वीं ऑल इंडिया रैंक हासिल कर परिवार का गौरव बढ़ाया है। परिवार और शुभचिंतकों ने दी बधाई।सफल हुए दोनों होनहार छात्र शिक्षक शंकर सिंह पटेल के नाती और गणेश पटेल डोंगरा वाले के भतीजे हैं। एक ही घर से दो बच्चों

की इस दोहरी सफलता पर परिजनों रिश्तेदारों और पूरे क्षेत्र के लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ ने ट्रेक्टर रैली निकाल कर सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ द्वारा अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर व्यापक स्तर पर धरना प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को सौंपा। सरकार द्वारा किसानों कि 100 प्रतिशत मूंग कि खरीदी सुनिश्चित की जाए। मूंग खरीदी के समय बिल बनवाने में किसान के अंगूठे की जगह ओटीपी के द्वारा प्रमाणिकरण किया जावे। खाद्य वितरण प्रणाली में ई टोकन कि व्यवस्था को समाप्त किया जाए ।खाद की पर्याप्त व्यवस्था जिला सहकारी समितियो के माध्यम से सुनिश्ति कि जाये। चिनकी वोरास वैराज परियोजना के वंचित क्षेत्र के संबंध में विभाग द्वारा स्पष्टीकरण दिया जाये। विंध्याचल क्षेत्र के समस्त सूखा ग्रस्त गांवो में पीने के पानी कि उपलब्धता कि जाये। जंगली सुअरों के द्वारा फसल को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। जिन्हें रोकने कि व्यवस्था कि जाये ।बिजली विभाग द्वारा लोड सैटिंग के माध्यम से अघोषित विजली कटोती को बंद किया जाये। जले हुए ट्रांसफार्मर तेंदूखेडा में ही किसानों को उपलब्ध कराये जाये। एवं आयल के नाम पर अवैध वसूली बंद कि जाये। किसानों के लिए खाद वितरण व्यवस्था तेंदूखेडा में सरकारी गोदामों में सुनिश्चित कि जाये।राजस्व विभाग में किसानो से अवैध वसूली तुरंत बंद की जाये नामांतरण बटवारा नक्शा दुरुस्ती बंधक राजस्व रिकार्ड में रिकार्ड गडवड होने पर संबंधित अधिकारी पर तुरंत कार्यवाही की जाये एवं शासन द्वारा वंदोबस्त कराया जाये। तेंदूखेडा मंडी में कर्मचारियों व्यापारियों की मिली भगत से मंडी बंद रहती है और किसानों को अपनी फसल मजबूरी में प्राइवेट मे बेंचनी पडती है। जिससे किसानो को भारी नुकसान होता है।समर्थन मूल्य पर शासन द्वारा मूंग की खरीदी में वेयरहाउस मालिक सर्वेयर एवं समिति प्रबंधक द्वारा सेंपल के नाम पर 2-2 किलो मूंग पन्नी में भरकर 4-5 जगह किसान से ली जाती है एवं प्रति क्विंटल पर पास कराने के नाम पर पैसे लिये है जिसे तत्काल प्रभाव से बंद किया जावे। उपरोक्त मांगो को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र निराकरण किया जावे अन्यथा राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ द्वारा उग्र अंदोलन एवं चक्काजाम किया जावेगा जिसकी संपूर्ण जबाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

पुलिस और किसानों के बीच हुई तीखी नोंकझोंक

एस डी एम कार्यालय के सामने बड़ी संख्या में अपने अपने ट्रेक्टर लेकर पहुंचे किसानों ने एन एच 45 की एक पट्टी चक्काजाम कर दिया जिससे सड़क पूरी तरह से बंद हो गई। किसानों को सड़क से उठने को लेकर तीखी नोंकझोंक हुई। कुछ किसान अर्ध-नग्न होकर ही बीच सड़क पर बैठ गए और जमकर नारेबाजी करने लगे। चूंकि बड़ी संख्या में पुलिस बल भी पूरी तैयारी के साथ मौजूद था।

सैकड़ों की संख्या में आये थे ट्रेक्टर

विगत दो दिन से कृषि उपज मंडी परिसर में किसानों द्वारा सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया जा रहा था इसके पूर्व उनके द्वारा एक ज्ञापन सौंपा था लेकिन उस ज्ञापन को ऊपर वरिष्ठ अधिकारियों तक नहीं पहुंचाया गया जिससे किसानों में रोष तो व्याप्त था ही।20 जुलाई को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अपने अपने ट्रेक्टर लेकर आये थे।कृषि उपज मंडी परिसर से एक विशाल रैली पुराने बस स्टैंड से होती हुई एस डी एम कार्यालय तक पहुंची। रैली इतनी बड़ी थी कि सड़क पर जाम जैसी स्थिति बनीं हुई थी।

किसानों को हल्के में ना ले प्रशासन

किसानों को सड़क से उठने को लेकर हुई नोंकझोंक में किसानों ने स्पष्ट किया है कि किसानों को हल्के में ना लिया जाये। और जमकर नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी है कि अभी तो यह बगैर कोई तैयारी के आंदोलन किया गया था।अब पूरी तैयारी से आंदोलन किया जाएगा।